लोलीटा, विश्व की दूसरी सबसे उम्रदराज किलर व्हेल (ओर्का) जल्दी ही अपने मूल आवास, पैसिफिक नॉर्थवैस्ट में रहने के लिए जा रही है। लोलीटा को लोग टोकिटे भी कहते हैं। तटवर्ती सैलिश लोगों की भाषा में इस शब्द का अर्थ है ''नाइस डे, प्रिटि कलर्स''। मायामी सीक्वेरियम की इस स्टार ओर्का को जब पकड़ा गया था तब यह 7 वर्ष की थी और अब 57 वर्ष की है, अर्थात् सीक्वेरियम में यह 50 साल बिता चुकी है। लोलीटा 1970 के दशक में यहां आई थी। विडबी आइलैण्ड के पास कुछ लोगों ने 79 अन्य ओर्का के साथ इसे पकड़ा था। तब से ही लोलीटा अक्वेरियम पूल में रह रही है और करतब दिखा रही है। मार्च 2022 में इसे रिटायर कर दिया गया। गत माह घोषणा की गई कि, लोलीटा का उसके मूल आवास में पुनर्वास किया जाएगा। मायामी सीक्वेरियम की मालिक कम्पनी, द डॉलफिन कम्पनी और कंज़र्वेशन ग्रुप, ''फ्रैंडस ऑफ लोलीटा'' ने यह घोषणा की हैं। रिटायरमैंट के बाद से लोलीटा को मूल आवास में भेजने के लिए यह समूह अभियान चला रहा है। प्राकृतिक आवास में ओर्का औसतन 46 साल तक जीती हैं। लेकिन कुछ व्हेल 80 या 90 साल तक भी जिंदा रहती हैं। ब्रिटेन के संगठन, व्हेल एण्ड डॉलफिन ऑर्गनाइज़ेशन ने बताया कि, नर ओर्का की औसत आयु 30 साल तक ही होती है पर कुछ नर 50-60 साल तक भी जी सकते हैं। कैप्टिव ओर्का ज्यादा जीती हैं। कैप्टिव ओर्का की प्राकृतिक आवास में वापसी मुश्किल होती है। लोलीटा से पहले सिर्फ केको नाम की ओर्का ही प्राकृतिक आवास में लौटी थी। वर्ष 1993 में आई फिल्म ''फ्रीविली'' से विख्यात हुई केको की रिहाई के लिए जोरदार अभियान चलाया गया था तथा 2002 में उसे रिहा कर दिया गया। पर 2003 में नॉर्वे में निमोनिया से इसकी मौत हो गई। इससे यह भय फैल गया कि कैप्टिव ओर्का प्राकृतिक आवास में नहीं रह पाती हैं। लेकिन बीबीसी की डॉक्युमैंटरी, फ्रोज़न प्लैनैट द्वितीय, में एक पूर्व कैप्टिव ओर्का को शिकार करते व अन्य ओर्का के साथ मस्ती करते देखा गया तो लगा कि कैप्टिव ओर्का का उसके प्राकृतिक आवास में बसना संभव है। ओर्का को संरक्षित केन्द्रों में रखने को लेकर हमेशा विवाद होता है। वर्ष 1961 में जब पहली ओर्का पकड़ी गई थी, तबसे लेकर अब तक, 174 ओर्का कैप्टिविटी में मर चुकी हैं।

रामप्रसाद सुसाइड केस में मंत्री महेश जोशी के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. दर्ज

महेश जोशी ने अपनी सफाई में कहा, ''रामप्रसाद और उनके परिवार को मैं जानता तक नहीं और ना ही वो कभी उनसे मिलने आए। पीड़ित परिवार को लात मारने की बात भी झूठी है, चाहे तो मेरे घर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे के फुटेज देख सकते हैं''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 18 अप्रेल। सुभाष चौक क्षेत्र में चांदी की टकसाल पर चाय की थड़ी लगाने वाले रामप्रसाद ने सुसाइड से पहले कैबिनेट मंत्री महेश जोशी, मंदिर संचालक देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल शैरेटन के मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी करीब 8 लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। सोमवार देर रात सुभाष चौक पुलिस ने इन सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर परिजनों ने दूसरे दिन भी रामप्रसाद के शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया है। मंगलवार देर रात तक भी धरना जारी रहा।

मृतक राम प्रसाद मीणा (43) के भाई महावीर मीणा की शिकायत पर सुभाष चौक पुलिस ने सभी 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित महावीर का कहना है कि जब हमारे पुश्तैनी मकान पर निर्माण कार्य नगर निगम ने बंद कराया तो हम हैरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा के पास पहुंचे, तब नीलकमल ने भी मदद करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि मेरे ऊपर जलदाय मंत्री महेश जोशी का दबाव है। इसके बाद जब हम मंत्री जोशी के पास पहुंचे तो उन्होंने भी धमकाया कि जैसा मेरे आदमी कहते हैं, वैसा करो।

वहीं दूसरी ओर इस मामले में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने अपने आवास पर प्रैस वार्ता कर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि रामप्रसाद और उनके परिवार को मैं जानता तक नहीं और ना ही वह उनसे कभी मिलने आए। अगर उन्हें मुझसे कोई शिकायत थी तो मेरे पास आते। उनकी मौत की जानकारी मिली तो बहुत दु:ख हुआ। आत्महत्या करने से पहले उन्होंने मेरा नाम भी लिया है। साथ मुझ पर भी आरोप लगाया कि मैंने भी परेशान किया जो कि सरासर निराधार है। उन्होंने कहा कि मेरी गलती तब होती जब मृतक या उसके परिवार मेरे पास आते और मै उनकी मदद नहीं करता।

महेश जोशी ने कहा कि कुछ दिन पहले किसी ने राजामल तालाब स्थित 260 साल से भी अधिक पुराने श्री गिरधारीजी के मंदिर परिसर में हो रहे निर्माण को गलत बताते हुए काम रूकवाने को कहा। प्राचीन मंदिर से जुडी लोगों की धार्मिक आस्था को देखते हुए प्रकरण संवेदनशील लगा, इसलिए काम रूकवाकर कागजों की जांच के लिए कहा था। दो पक्षों के विवाद की परिस्थिति में काम रूकवाना आम बात है, कोई भी जनप्रतिनिधि यही करेगा। काम इसलिए रुकवाया ताकि कागजों की जांच हो सके और जो सही है उस पार्टी के साथ न्याय हो। आत्म हत्या को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता लेकिन अगर काम नहीं रूकवाता और पुजारी आत्म हत्या कर लेता तो फिर? बाद में पुजारी की ओर से लिखित शिकायत भी प्राप्त हुई, लेकिन मृतक के परिवार की ओर कोई भी शिकायत या जवाब अथवा स्पष्टीकरण मुझे नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि मृतक रामप्रसाद या परिवार के किसी भी व्यक्ति को लात मारने या किसी भी तरह के दुर्व्यवहार करने के आरोप झूठे हैं। उनके घर पर सीसीटीवी कैमरा लगा है। अगर किसी की सिफारिश भी करता हूं तो न्याय के लिए। मृत्यु के कारणों का पता लगना जरूरी है।

आत्महत्या आमतौर पर व्यक्ति क्षणिक आवेश में करता है, आत्महत्या करने से पहले 3-4 वीडियो कौन बनवाता है या बनाता है। सच्चाई ठीक से पता लगनी चाहिए।

मंत्री महेश जोशी ने कहा कि एफआईआर कराना हर किसी का अधिकार है, मैं चाहता हूं कि जल्द से जल्द उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो जिससे सच्चाई जनता के सामने आए। प्रकरण के बारे में जानकारी मिलते ही महानिदेशक पुलिस-राजस्थान एवं पुलिस आयुक्त, जयपुर को पत्र के माध्यम से उच्च स्तरीय एवं शीघ्रता से जांच के लिए आग्रह किया।

मृतक रामप्रसाद मीणा के परिजनों के साथ धरने पर बैठे सांसद किरोड़ीलाल मीणा

नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार के एक सदस्य को नौकरी व मुआवजे की मांग रखी

- **सांसद मीणा ने आरोप लगाया कि ''पीड़ित परिवार मंत्री महेश जोशी से मिलने गया था, तो उन्होंने फटकार कर भगा दिया, परिवार के सदस्य को लात मारी गई, इससे डिप्रैशन में आकर रामप्रसाद मीणा ने सुसाइड किया है।''**
- **मरने से पहले रामप्रसाद ने वीडियो में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत मंदिर संचालक देवेन्द्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी सहित करीब 8 लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाया था।**

जयपुर 18 अप्रेल (कासं)। रामप्रसाद मीणा के सुसाइड मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में अब राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल लाल मीणा भी मृतक रामप्रसाद मीणा के परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, मुआवजा समेत अन्य मांगों को लेकर परिजनों ने सरकार को मांग पत्र सौंपा है। मंगलवार देर शाम तक धरना जारी रहा, परिजनों ने रामप्रसाद के शव का पोस्टमार्टम भी करवाने को राजी नहीं हुए।

राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि, पट्टा होने के बावजूद भी रामप्रसाद मीणा को उसका मकान नहीं बनाने दिया गया। गरीब की कोई सुनने वाला नहीं है, वो दर-दर भटका और फिर आखिर में मौत को गले लगा लिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह भरतपुर में जुनैद और नासिर के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी, उसी तर्ज पर मृतक रामप्रसाद मीणा के लिए भी घोषणा की जाए। मृतक परिवार को सरकार पैकेज दे और होटल के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए। इसके साथ ही परिवार में एक सदस्य को नौकरी और उनका मकान बनवाए जाने की मांग की।

सांसद किरोड़ीलाल ने आरोप लगाया कि, हैरिटेज नगर निगम ने पूरे शहर में लूट मचा रखी है। पीड़ित परिवार मंत्री महेश जोशी से मिलने गया था, तो उन्होंने फटकार कर भगा दिया, परिवार के सदस्य को लात मारी गई, इससे डिप्रेशन में आकर रामप्रसाद मीणा ने सुसाइड किया है। उन्होंने मांग की है कि, जिन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है, उन्हें गिरफ्तार किया जाए। पीड़ित परिवार का पालन पोषण करने वाला भी कोई नहीं है, इसलिए उन्हें राहत पैकेज दी जाए।

इसके अलावा जिन अधिकारियों ने लापरवाही की है, उनको सस्पेंड किया जाए। किरोड़ीलाल ने कहा कि, रामप्रसाद ने मरने से पहले वीडियो बनाया था और एक सुसाइड नोट भी लिखा था। इसमें उन सभी लोगों के बारे में बताया है, जिन्होंने उसे परेशान किया था।

वीडियो में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत मंदिर संचालक देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी करीब 8 लोगों पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं। सांसद ने बताया कि, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप को सरकार के नाम ज्ञापन दिया गया है। मुकदमे में मंत्री का नाम है, तो जांच सीआईडी करेगी।

मामले में लिप्त अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को संतुष्टि हो।

रामप्रसाद की आत्महत्या के बाद अवैध होटल को तोड़ने पहुंचा हैरिटेज निगम

फटकार लगने पर तब बुलडोज़र लेकर कार्रवाई करने पहुंच थे अफसर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 18 अप्रेल। सुभाष चौक इलाके में रामप्रसाद की आत्महत्या के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री ने हैरिटेज निगम के अफसरों को फटकार लगाई। इसके बाद अधिकारी जेसीबी व बुलडोजर लेकर चांदी की टकसाल स्थित अवैध होटल तोड़ने के लिए दौड़े। जहां आक्रोशित लोगों ने सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा की गाड़ी को घेर लिया और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बिगड़ता देख पुलिस ने सतर्कता उपायुक्त को अपनी गाड़ी में बैठाकर सुरक्षित निकाला। करीब डेढ़ घंटे बाद नगर निगम ने पुलिस के आला अफसरों और भारी जाप्ते के बीच कार्रवाई शुरू की।

- **लोगों ने सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा की गाड़ी को घेरा, पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।**

मृतक रामप्रसाद के मकान पर कार्रवाई करने और उनके मकान के नजदीक निर्माणाधीन अवैध इमारत को छोड़ने के मामले को लेकर सीएम गहलोत ने नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने निगम अफसरों को फटकार लगाई हैं। इसके बाद मंगलवार सुबह निगम का दस्ता पुलिस बल के साथ अवैध होटल पर कार्रवाई करने पहुंचा। इस दौरान लोगों ने निगम सतर्कता उपायुक्त का विरोध शुरू कर दिया और उसे घेरने लगे, लोगों का आक्रोश देख सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद मौके पर पुलिस के आला अफसर पहुंचे और पुलिस जाप्ता तैनात किया। तब जाकर निगम ने कार्रवाई के लिए तीन जेसीबी और एक लोकंडा मशीन मंगवाई और कार्रवाई शुरू की। सबसे पहले लोकंडा मशीन से छत को पंचर करना शुरू किया, वहीं जेसीबी से अवैध इमारत की दीवारों को तोड़ना शुरू किया। निगम अफसरों की मानें तो पूरी इमारत को ध्वस्त करने तक कार्रवाई जारी रहेगी।

अधिसूचना के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के ठीक नीचे के क्रम के जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को आगामी 20 अप्रेल हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त कर दिया गया।

यह जानकारी केन्द्रीय विधि मंत्री किरण रिजिजू के एक ट्वीट से प्राप्त की गई है। जस्टिस सबीना 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर बुधवार शाम को अपना पद त्याग रही हैं। हाई कोर्ट जजों की सेवानिवृति आयु 62 वर्ष नियत है। जस्टिस सबीना का नाम तब चर्चित रहा था, जब उनकी पुत्री कल्याणी सिंह को सितम्बर 2015 में चण्डीगढ़ में हुई सुखमनप्रीत सिंह की हत्या में एक आरोपी माना गया था। सुखमनप्रीत सिंह एक राष्ट्रीय शूटर होने के साथ वकील भी थे।

ए.बी.वी.पी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए दिये। ए.बी.वी.पी. के दो अन्य सदस्य, मनु दाधीच और मुकेश पूनिया को भी अदालत ने राहत दी है और गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की है। इन तीनों छात्रों की ओर से अधिवक्ता आयुष मल्ल पैरवी के लिये अदालत में पेश हुए। जैसा कि विदित है कि, पिछले माह ही पुलिस ने छह छात्रों को मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने के मामले में पुलिस हिरासत में लिया था। तब भी अदालत ने छात्रों को पुलिस हिरासत में डाले जाने के लिये लगाई गई गंभीर धाराओं पर आपत्ति जताई थी और एक ही सुनवाई में छात्रों की रिहाई के आदेश दिये थे।

आई.आई.टी. कानपुर ने तैयार किया कृत्रिम हृदय

- **इस कृत्रिम हृदय का जानवरों पर ट्रायल सफल रहने के बाद संभवतः आने वाले दो वर्षों में इसका प्रत्यारोपण इंसान में किया जा सकेगा।**

कानपुर, 18 अप्रेल। आई.आई.टी. कानपुर के वैज्ञानिकों और हृदय रोग विशेषज्ञ ने मिलकर कृत्रिम हृदय तैयार किया है जिससे हृदय का प्रत्यारोपण हो सकेगा। के.जी.एम.यू. के 118वें स्थापना दिवस के अवसर पर आइ.आइ.टी. कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने बताया कि, 2023 में ट्रायल होने के बाद संभवत: आने वाले दो वर्षों में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण इंसानों में किया जा सकेगा।

के.जी.एम.यू. के सेल्बी हाल में गत शनिवार को 118 वर्ष पूरे होने के उपलब्ध में स्थापना दिवस समारोह किया गया। इस अवसर पर के.जी.एम.यू. के 52 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल सिल्वर मेडल समेत कई पुरस्कारों से नवाजा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. अभय के साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर के.जी.एम.यू. के मानसिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. प्रभात सिथोले, के.जी.एम.यू. कुलपति डा. बिपिन पुरी, प्रति कुलपति डा. विनीत शर्मा समेत कई चिकित्सक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. अभय करंदीकर ने कहा कि संस्थान के 10 वैज्ञानिक और चिकित्सकों की टीम ने कृत्रिम दिल तैयार किया है। आने वाले फरवरी से पहले फेस का ट्रायल शुरू किया जाएगा।

कृत्रिम हृदय का उद्देश्य शरीर में खून को सही रूप से सभी अंगों तक पहुंचाना होगा यदि कामयाबी मिलती है तो इससे प्रत्यारोपण भी किया जा सकेगा।

हालांकि वर्तमान में अभी इसमें काम चल रहा है। प्रो अभय ने कहा कि करोना काल ने हमें कई तरह से मजबूत बनाया है। भारत में चिकित्सकों और वैज्ञानिकों ने मिलकर इलाज के कई नए तकनीक तैयार की और संक्रमितों की जान बचाई है।

ई.डी. ने कार्ति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिदंबरम के जरिए तत्कालीन वित्तमंत्री पी.चिदंबरम तक पहुंची और 15 मई 2017 में सी.बी.आई. ने विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड की मंजूरी में अनियमितताओं के चलते पहली एफ.आई.आर. दर्ज की। इसके बाद साल 2018 में प्रवर्तन निदेशालय ने भी मनी लांड्रिंग मामले में केस दर्ज किया था।

'बेटे विजय...

.(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर भी नहीं आया है। उन्होंने कहा कि बेटे के पेपर लीक में नाम आने को लेकर कुछ नहीं जानते हैं। बाबूलाल कटारा उसका मामा है। इसलिए वह मामा के पास आता जाता रहता था।

बाबूलाल कटारा को 2 नवंबर 1987 को थर्ड ग्रेड टीचर के रूप में पहली नौकरी मिली थी। 3 साल बाद ही 1990 में आरपीएससी से अर्थशास्त्र व्याख्याता बन गया। अगले ही साल 1991 में जिला सांख्यिकी अधिकारी बाड़मेर में पोस्टिंग मिली। दो साल तक बाड़मेर में रहने के बाद उसे डूंगरपुर के जिला सांख्यिकी अधिकारी बना दिया गया। वर्ष 1994 से 2005 तक विकास अधिकारी के रूप में सेवाएं दी। इसके बाद संयुक्त निदेशक सांख्यिकी सचिवालय में सेवाएं दी। मुख्य आयोजन अधिकारी के रूप में भी डूंगरपुर और राजसमंद में काम किया। वहीं 2013 में माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध और प्रशिक्षण संस्थान में निदेशक रहा। डूंगरपुर जिले में सितम्बर 2020 में शिक्षक भर्ती के रिक्त पदों को लेकर हुए कांकरी डूंगरी उपद्रव मामले में बाबूलाल कटारा ने उपद्रवियों और प्रशासन के बीच मध्यस्थता करवाई थी उसके एक महीने बाद ही 15 अक्टूबर 2020 को उसे आर.पी.एस.सी. का सदस्य बनाया गया था।

'मंत्री चोटी से पांव के अंगूठे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक रमिला खड़िया ने कहा कि वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हैं। कांग्रेस विधायक नगराज मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार ने अच्छे काम किए हैं। जनता चाहती है कि सरकार फिर कांग्रेस की बने और चौथी बार अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री बनेंगे। नगराज मीणा ने कहा कि गहलोत को चौथी बार मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट व्यक्तिगत राय कुछ भी रख सकते हैं, मैं उस पर नहीं जाना चाहता,लेकिन राजस्थान की सरकार ने जनता के लिए बहुत काम किया है। हर आदमी चाहता है कि मैं कुछ ना कुछ बनूं, लेकिन वह संभव नहीं है। नगराज मीणा ने कहा कि अशोक गहलोत बेहतर काम कर रहे हैं। ऐसे में आलाकमान दूसरा चेहरा क्यों लाएगा ? अशोक गहलोत के चेहरे पर ही अगला चुनाव लड़ा जाएगा। अशोक गहलोत ही राजस्थान में सरकार बना सकते हैं। वही फीडबैक कार्यक्रम के बाद हरीश चौधरी ने कहा कि फीडबैक में हमारे क्षेत्र की बात हो रही है। वही जब उनसे सचिन पायलट के अनशन और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि हर बात को बाहर आकर नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने इतना जरूर कहा कि भाजपा शासन के दौरान भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा था। ऐसे में हरीश चौधरी ने कहीं ना कहीं सचिन पायलट की उस बात का समर्थन कर दिया, जिसमें कि उन्होंने भाजपा शासन के भ्रष्टाचार की जांच नहीं होने पर अनशन किया था। इसी के साथ विधानसभा चुनाव में चेहरे की बात पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस चेहरे के साथ चुनाव में नहीं जाती, चेहरा कौन होगा, यह आलाकमान तय करेगा

रीट परीक्षा के पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सदस्य बाबूलाल कटारा को एसओजी द्वारा हिरासत में लिए जाने से यह बात साफ हो गई है कि पूरे कुएं में भांग घुली हुई है और बाड़ ही खेत को खा रही है।

कटारा को तो पकड़ लिया है, अब आयोग के अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय की भूमिका भी जांच कराई जानी चाहिए। आयोग की साख पर आई आंच को देखते हुए श्रोत्रिय को तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साढ़े चार साल के शासनकाल में अब तक 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, जिनमें राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) भी शामिल है।

देवनानी ने कहा कि जब आयोग द्वारा कोई भी भर्ती परीक्षा कराई जाती है, तो पेपर तक किसी एक सदस्य की पहुंच नहीं होती है। सभी सदस्य सामूहिक रूप से निर्णय लेते हैं।

कटारा के तार केवल गिरोह तक नहीं, बल्कि ऊपर तक जुड़े हुए हो सकते हैं, इसलिए एसओजी को सभी पहलुओं की जांच कर सच्चाई सबके सामने लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग के पूर्व अध्यक्ष हबीब खां गौराण को आरएएस भर्ती परीक्षा मामले में गिरफ्तार किया गया था। गौराण की नियुक्ति भी तब कांग्रेस सरकार ने ही की थी, लेकिन गौराण को भाजपा शासनकाल में पकड़ा गया था। यही नहीं, रीट पेपर लीक मामले में आज तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष डी.पी. जारौली से पूछताछ नहीं की गई है।

देवनानी की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कटारा के सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन किया। कटारा की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया कि सैकेंड ग्रेड टीचर पेपर लीक के मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य बाबूलाल कटारा व अन्य 2 आरोपियों को एसओजी ने हिरासत में लिया है। युवाओं के हितों से खिलवाड़ करने वाला किसी भी स्तर का व्यक्ति हो, सरकार उसे सख्त से सख्त सजा दिलवाना सुनिश्चित करेगी, भाजपा के राज्यसभा सासंद किरोडी लाल मीणा ने लिखा कि केवल बाबूलाल कटारा को पकड़कर अशोक गहलोत जी सफेदपोश होने का हास्यास्पद दावा कर रहे हैं।

Lt Gen Ajai Singh, PVSM, AVSM

(20 Nov 1934-17 Apr 2023)

With profound grief we announce the sad demise of Lt Gen Ajai Singh on 17 April 2023. He belonged to a respected family of Kunadi, Rajasthan.

An alumni of Mayo College, Ajmer and NDA (JSW), he was commissioned in 17 Horse (The Poona Horse) after having received the Sword of Honour of the 17th Regular Course, IMA.

An exceptionally bright officer, he attended the Tank Commanders Course in Czechoslovakia, Defence Services Staff Course, Wellington, Higher Command Course at College of Combat at Mhow and Royal College of Defence Studies in London (UK) in 1983.

Lt Gen Ajai Singh played a stellar role with Poona Horse in both 1965 and 1971 wars and was awarded 'Mentioned in Despatches'.

He commanded 17 Horse, 14(I) Armoured Brigade, 31 Armoured Division and 4 Corps. Having been at the helm of affairs during Operation Bajrang and due to his intimate knowledge of the area he was later appointed as Governor of Assam where served from 2003 to 2008.

A highly respected and popular officer, he touched the life of all those who were fortunate to have interacted with him.

He is survived by his wife
Mrs Krishna Singh, Son Mr. Sajai Singh and
Daughter Mrs Shyambhavi Singh.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908